12.12.18(M)

[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7546** **IC**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Sanskrit - CBCS**

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

nunotes.in

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Throw light on origin and development of Sanskrit Poetics. 10

संस्कृत साहित्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Throw light on the different forms of 'Kāvya'.

काव्य के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।

2. Write an introduction of Mahākāvya according to Sāhityadarpana. 10

साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का परिचय दीजिए।

OR

अथवा

Write an essay on the contribution of Acharya Vishvanath to Sanskrit poetics.

संस्कृत साहित्यशास्त्र को आचार्य विश्वनाथ के योगदान पर निबन्ध लिखिए।

3. Give definition of Gadyakāvya and discuss its types. 8

गद्यकाव्य का लक्षण दीजिए तथा इसके भेदों की समीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

Write a short notes on any **Two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) काव्य-हेतु

(ii) नाटक

(iii) खण्ड-काव्य

(iv) तात्पर्यार्थ

munotes.in

4. Critically examine the Abhidhā or lakshanā according to Kāvyaprakaṣa. 10

काव्यप्रकाश के अनुसार अभिधा अथवा लक्षणा की समीक्षा कीजिए।

5. Evaluate the explanation of 'Utpattivāda' on Bharata's Rasasūtra. 11

भरत के रससूत्र की 'उत्पत्तिवाद' व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए।

OR

अथवा

Critically examine the transcendental nature (Alaukikatā) of Rasa.

रस की अलौकिकता की समीक्षा कीजिए।

6. (क) Define with example any **two** of the following figures of speech : 10

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए :

विभावना, अनुप्रास, दीपक, तुल्ययोगिता, व्यतिरेक

(ख) Explain and name the figures of speech used in any **two** of the following verses : 6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए :

(i) नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागत पंकजम्।
मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभि सुमनोभरैः।।

(ii) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

(iii) कृपणानां धनं नागानां फणमणिः केसराः सिंहानाम्।
कुलबालिकानां स्तनाः कुतः स्पृश्यन्तेऽमृतानाम्।।

(iv) प्रतिकूलतामुपगते विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि।।

7. (क) Define and illustrate any **two** of the following metres : 3×2=6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए :

उपजाति, वसन्ततिलका, स्रग्धरा, अनुष्टुप्

munotes.in

(ख) Scan and name the meter in any **two** of the following : 2×2=4

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये :

(i) आपरितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ।।

(ii) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ।।

(iii) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(iv) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसंधानमिव तत् ।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ।।

munotes.in